SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank

विश्वस्त . संवेदनशील RELIABLE . RESPONSIVE

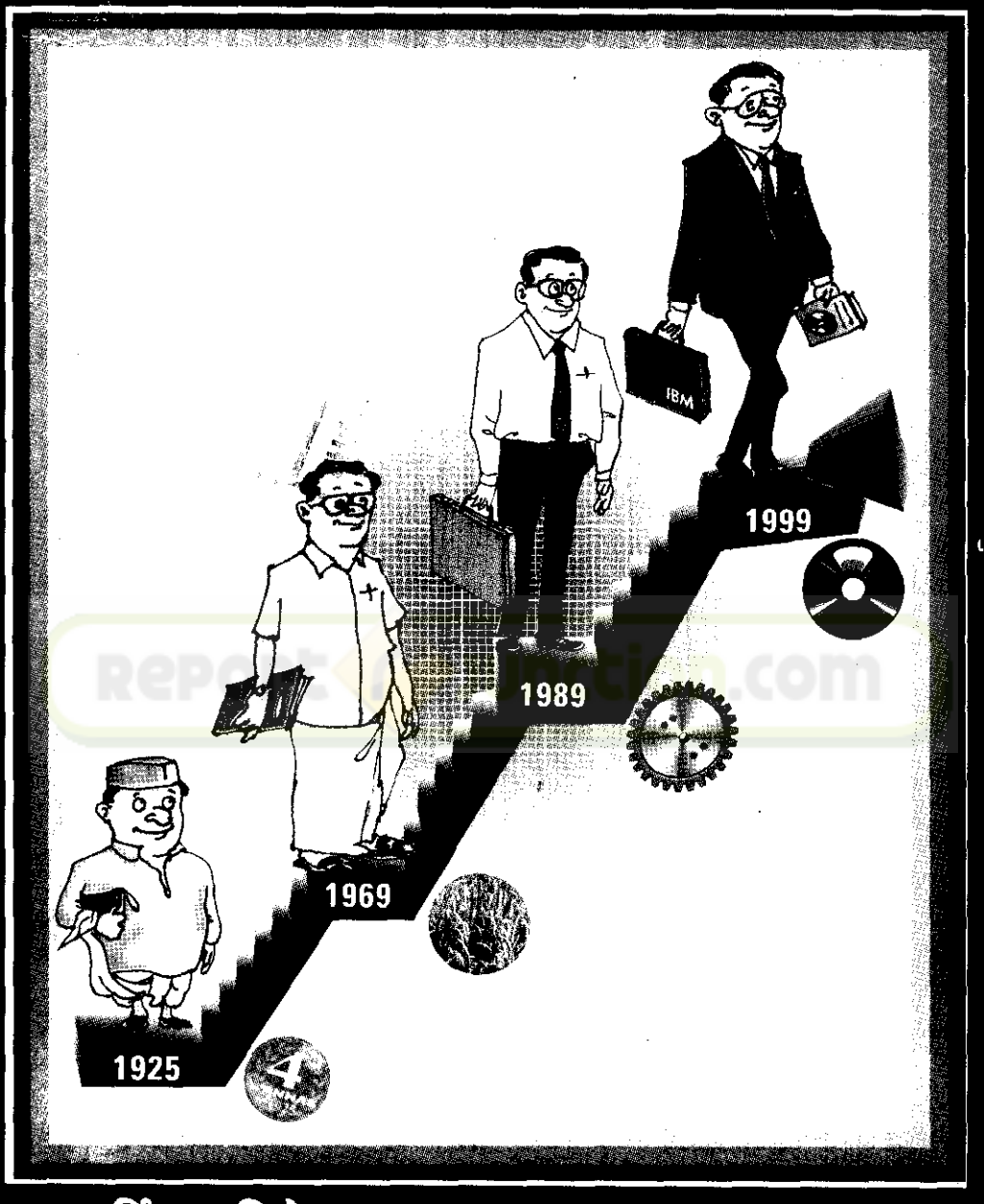

वार्षिक प्रतिवेदन 1998-99 ANNUAL REPORT

75 YEAR
TOWARDS PLATINUM JUBILEE

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Report Library Service
www.reportjunction.com

मुख पृष्ठ: प्रौढ़ता की देहरी पर

सन् 1925 में एक अदना बैंक की स्थिति से उठकर सन् 1969 के आते-आते ग्रामीण बैंकिंग के अग्रदूत की ख्याति अर्जित करने, बाद के दशकों में वाणिज्य, उद्योग और अन्य क्षेत्रों में आगे निकलने और आधुनिक प्रौद्योगिकी द्वारा समृद्ध परंपरा के साथ सन् 1999 में मजबूत बैंक के रूप में उभरने जैसी बुलंदियों को पार करने की कहानी का नाम सिंडिकेटबैंक है। हम अपने 75वें वर्ष - प्लैटिनम जयंती वर्ष की दहलीज़ पर खड़े होकर नई सहस्राब्दी की चुनौतियों की दिलेरी से प्रतीक्षा करते हैं।

COVER :THE COMING OF AGE

It has been a saga of scaling new heights for Syndicate Bank which began as the 'Pigmy' Bank in 1925, acclaimed as a pioneer in rural banking by 1969, forging ahead in the commercial, industrial and other fields in subsequent decades, and emerging as a strong Bank by 1999 with a rich traditionsupported by modern technology. As we stand on the threshold of our 75th year – The Platinum Jubilee Year – we look forward confidently to the challenges of the new millennium.

कार्टून/Cartoon: जीवन/Jeevan

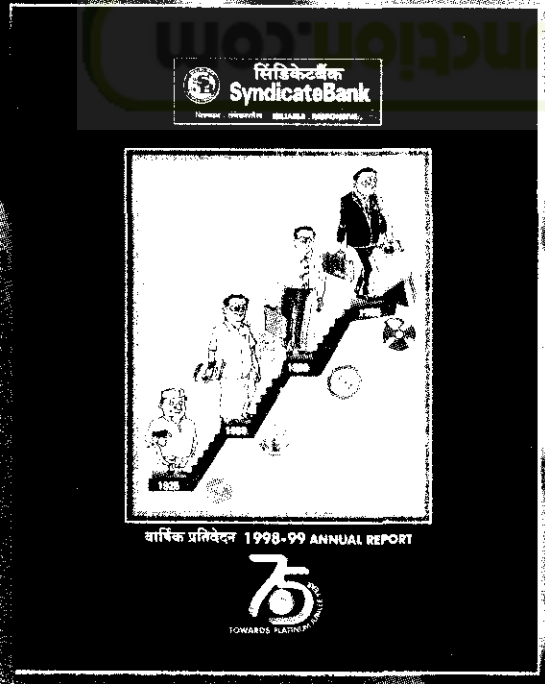

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन
1998-99
ANNUAL REPORT

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank

विश्वस्त . संवेदनशील RELIABLE . RESPONSIVE

प्रधान कार्यालय मणिपाल-576 119, भारत
HEAD OFFICE :MANIPAL -576119, INDIA
INTERNET ADDRESS :http://www.syndicatebank.com

www.reportjunction.com

1	2	3	4	5	6	7
श्री. के. वी. कृष्णमूर्ति Sri. K.V. KRISHNAMURTHY अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR	श्री जयशील यो. दीवानजी Sri JAYSHIL Y. DIVANJI कार्यपालक निदेशक EXECUTIVE DIRECTOR	श्री एन. आर. रायलु Sri N. R. RAYALU	श्री पी. के. बिश्वास Sri P. K. BISWAS	श्री बी. एम. शांतमूर्ति Sri B. M. SHANTHAMURTHY	श्री चिरंजीत चालिहा Sri CHIRANJIT CHALIHA	श्री कामेश्वर प्रसाद सिंह Sri KAMESHWAR PRASAD SINGH
Bachelor of Commerce, A Fellow Member of the Institute of Chartered Accountants of India, Fellow Member of the Indian Institute of Bankers.	A Post Graduate in Commerce, joined the Bank as Executive Director in September 1998. Earlier he was leading the "Mumbai Zone" of Bank of India as General Manager	A Post Graduate in Science, an Officer of Indian Audit & Accounts Service (I A & A S), Presently Joint Secretary and Financial Advisor, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Government of India.	A Post Graduate in Science. Also a Post Graduate in Economic Development from the University of Oxford with LLB and CAIIB, is the Regional Director for Karnataka and Chief General Manager of Reserve Bank of India, Bangalore.	A Chartered Accountant, is a senior partner of M/s Shanthamurthy & Co. and Director of 'Board of Companies'. Appointed by UTI on the Board of World Resorts Ltd., Mumbai.	An enterprising industrialist. Associated with Purbanchal Chemicals Pvt. Ltd., and Storewel Pvt. Ltd., as Managing Director.	A political wizard from Patna, former M.L.A. was the Director of Farm Corporation of India, Warehousing Corporation, Bihar. Now serving as a member of Khadi & Village Industries Commission.

1

2

3

4

5

6

7

www.reportjunction.com

8	9	10	11	12	13
श्रीमती बी. रत्ना रवि कुमार	डॉ. (सुश्री) एस. विजयलक्ष्मी	श्री मोहम्मद मकबूल सलीम	श्री सी. राम राजु	श्री के. एस. शेट्टी	श्री एन. जी. चांदोरकर
Smt. B. RATNA RAVIKUMAR	Dr. (Miss) S. VIJAYALAKSHMI	Sri MOHAMMED MAQBOOL SALEEM	Sri C. RAMA RAJU	Sri K. S. SHETTY	Sri N. G. CHANDORKAR
A Chartered Accountant from Bangalore with rich experience in the field of Audit and Accounting as well as Finance and Banking.	A renowned Social Worker from Chennai, she has been the Director on the Board of Indian Overseas Bank and Centre of Social Research, Chennai.	A Businessman from Nanded, Maharastra, is the Chairman of WAKF Committee and Maharastra State Agriculture Development and Fertilizers Promotion Corporation, Mumbai.	A freedom fighter from Andhra Pradesh. A High Court Advocate who also served as Principal at Gangaram Gogia Law College.	A Graduate in Law and Post Graduate in English with CAIIB, representing Employees other than Workmen of the Bank on the Board of Directors since November, 1998.	A Science Graduate hailing from Tamilnadu. Representing the Workmen Employees of the Bank on the Board of Directors.

लेखा-परीक्षक

मे. डागलिया एंड कंपनी
मे. मेहरा गोयल एंड कंपनी
मे. एस के सिंघानिया एंड कंपनी
मे. शंकर एंड मूर्ति
मे. मेहरोत्रा एंड मेहरोत्रा
मे. दत्ता सिंगला एंड कंपनी

AUDITORS

M/s Dagliya & Co.
M/s Mehra Goel & Co.
M/s S. K. Singhania & Co.
M/s Sanker & Moorthy
M/s Mehrotra & Mehrotra
M/s Datta Singla & Co.

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

8

9

10

11

12

13

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

शीर्ष प्रबंधन दल
TOP MANAGEMENT TEAM

महा प्रबंधक
GENERAL MANAGERS

श्री पी. जी. एम. शेणै
Sri P. G. M. SHENOY

श्री वाई. मोहन शेट्टी
Sri Y. MOHAN SHETTY

श्री पी. पी. हन्दे
Sri P. P. HANDE

श्री के. एस. प्रकाश राव
Sri K. S. PRAKASH RAO

श्री आचंट सुब्रमनियम
Sri ACHANTHA SUBRAMANYAM

श्री आर. के. अब्रोल
Sri R. K. ABROL

श्री बि. सांबमूर्ति
Sri B. SAMBA MURTHY

श्री वाई. एम. पै
Sri Y. M. PAI

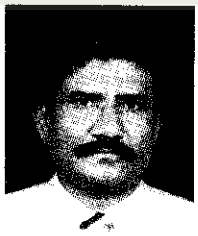

श्री एन. एन. रेड्डी
Sri N. N. REDDY

श्री बी. एन. पै
Sri B. N. PAI

श्री बी. प्रमोद
Sri B. PRAMOD

श्री एच. आर. राव
Sri H. R. Rao

उप महा प्रबंधक
DEPUTY GENERAL MANAGERS

श्री एस. पी. जैन
श्री एस. जी. कुन्दर
श्री बी. अनंतकृष्ण
श्री के. वी. भण्डारी
श्री के. जगन्नाथ गाणिगा
श्री सुभाष मल्होत्रा
श्री आर. चन्द्रशेखर
श्री ई. सारंगपाणि
श्री दिनकर राव
श्री के. शांताराम कुड्वा
श्री वाई. एस. रामराव
श्री के. एन. रामस्वामी
श्री एम. के. वी. देसिकन
श्री एम. एस. के. वी. शास्त्री
श्री एम. एस. भण्डारकर
श्री एस. एन. भट्
बिग. एच. भास्कर
श्री आर. डी. नायुडु
श्री रमेश राव बीडु

Sri S. P. JAIN
Sri S. G. KUNDER
Sri B. ANANTHAKRISHNA
Sri K. V. BHANDARY
Sri K. JAGANNATH GANIGA
Sri SUBHASH MALHOTRA
Sri R. CHANDRASHEKAR
Sri E. SARANGAPANI
Sri DINKAR RAO
Sri K. SHANTHARAM KUDVA
Sri Y. S. RAMA RAO
Sri K. N. RAMASWAMY
Sri M. K. V. DESIKAN
Sri M. S. K. V. SASTRY
Sri M. S. BHANDARKAR
Sri S. N. BHAT
Brig. H. BHASKAR
Sri R. D. NAIDU
Sri RAMESH RAO BEEDU

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों का प्रतिवेदन

निदेशक मंडल 31 मार्च 1999 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बैंक के कार्यचालन और लेखा-परीक्षित तुलन पत्र तथा लाभ व हानि लेखा संबंधी वार्षिक प्रतिवेदन सहर्ष प्रस्तुत करता है।

बैंक ने वर्ष 1998-99 के दौरान व्यवसाय के स्तरों और बाजार शेयर में प्रशंसनीय प्रगति हासिल की। बैंक के परिचालन में हुए सर्वतोमुखी सुधार के कारण प्रचालन लाभ में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

ReportJunction.com

आर्थिक परिदृश्य

विश्वव्यापी मंदी, पूर्व एशियाई संकट और पिछले वर्ष के दौरान कृषि क्षेत्र में असंतोषजनक वृद्धि के फलस्वरूप कमजोर ग्रामीण मांग के कारण वर्ष 1998-99 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। यह प्रशंसनीय है कि ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में प्राक्कलित 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान औसत मुद्रास्फीति 5% के आस-पास रही। वर्ष 1997-98 के दौरान कृषि में 1% की नकारात्मक वृद्धि में उत्तरवर्ती वर्ष 1998-99 के दौरान 5.3 प्रतिशत की प्रक्षेपित वृद्धि के साथ असाधारण मोड़ आया। अर्थव्यवस्था के सभी अन्य प्रमुख क्षेत्रों में मंदी आई है।

बैंकिंग परिदृश्य

लगभग 20% की वर्षानुवर्ष मुद्रा (एम - 3) वृद्धि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को शुद्ध उधार में भारी वृद्धि, निजी उधार में लगभग 7% की मंद वृद्धि और वास्तविक ब्याज दरों में क्रमिक अवनति वर्ष के दौरान बैंकिंग परिदृश्य की प्रमुख विशेषताएं थीं। बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों संबंधी नरसिम्हम समिति (II) की सिफारिशों पर आधारित बैंकों द्वारा चरणबद्ध रूप से कार्यान्वित किए जाने वाले सरकारी और अनुमोदित प्रतिभूतियों के लिए जोखिम भार, सरकार द्वारा गारंटीकृत अग्रिमों के लिए जोखिम भार, मानक आस्तियों के लिए साधारण उपबंध और जोखिम भारित आस्ति अनुपात के लिए उच्चतर पूंजी (सी. आर. ए. आर., 9 प्रतिशत) जैसे उपाय लागू किए गए।

प्लैटिनम जयंती वर्ष की ओर

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक का कार्य-निष्पादन

वर्ष 1998-99 के दौरान बैंक के कार्य- निष्पादन की प्रमुख विशेषताएं निम्न प्रकार हैं :

- **परिचालन लाभ में 37.42% की वृद्धि से लाभ का स्तर रु.186.06 करोड़ तक पहुंच गया**
- **पिछले वर्ष के रु.82.66 करोड़ के शुद्ध लाभ की तुलना में 73% की विकास-दर दर्ज करते हुए रु. 142.58 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ**
- **पूँजी के प्रति अपलेखन द्वारा संचित हानि का समायोजन**
- **शुद्ध अनर्जक आस्तियों में 5.78% से 3.93% तक कमी**
- **पूँजी पर्याप्तता 9% के मानक से अधिक होकर 9.57% हो गई**
- **पुनः लाभार्जन की स्थिति के पश्चात् बैंक द्वारा पहली बार लाभांश का प्रस्ताव**
- **शाखाओं की कुल संख्या 1627 से बढ़कर 1670 हुई।**
- **रु.16816 करोड़ की सार्वभौमिक जमाराशियां 18.42% की विकास- दर सहित बढ़कर रु.19914 करोड़ हुई।**
- **रु.7743 करोड़ की सार्वभौमिक उधार राशियाँ 29.41% की विकास- दर सहित बढ़कर रु.10020 करोड़ हुई।**

शाखा नेटवर्क

बैंक द्वारा वर्ष के दौरान 20 नयी शाखाएं और 22 उप शाखाएं खोली गयीं। महानगरीय क्षेत्र की 13 उप शाखाओं, शहरी क्षेत्र की 9 उप शाखाओं और अर्ध शहरी क्षेत्र की एक उप शाखा का पूर्ण शाखा के रूप में स्तरोन्नयन किया गया।

भारत में बैंक के 1669 शाखाओं के नेटवर्क में 649 ग्रामीण, 396 अर्ध शहरी, 295 शहरी और 329 महानगरी/पत्तन शहरी शाखाएं हैं। संपूर्ण नेटवर्क में ग्रामीण और अर्ध शहरी शाखाओं का हिस्सा 62.61% और शहरी और महानगरी शाखाओं का हिस्सा 37.39% है। 31/3/1999 की स्थिति के अनुसार 176 उप शाखाएं कार्यरत थीं।

शाखाओं के संपूर्ण नेटवर्क में 29 विशेषित शाखाएं हैं जो लघु उद्योगों, आवास वित्त, निगमित/ औद्योगिक वित्त और अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय की आवश्यकताएं पूरी करती हैं।

इनके अतिरिक्त बैंक की एक शाखा लंदन में भी व्यवसाय करती है।

संसाधन आधार

वर्ष के दौरान सार्वभौमिक जमाराशियाँ रु.19914 करोड़ हो गईं जिनमें रु. 3098 करोड़ की वृद्धि या 18.42% की विकास-दर दर्ज की गई। घरेलू जमाराशियाँ रु.3231 करोड़ (20.83%) की वृद्धि सहित बढ़कर रु.18741 करोड़ हो गईं।

वर्ष के दौरान सार्वभौम बचत बैंक जमाराशियों में 23.45% से 23.97% की बढ़ोत्तरी हुई। जमाराशियों में चालू जमाराशियों का हिस्सा 11.04% रहा। बैंक द्वारा प्रवर्तित पिग्मी जमा योजना के अधीन रु.985 करोड़ की जमाराशियाँ जुटाई गईं।

ग्राहक सेवा

बैंक के ग्राहक वर्ग को शिष्ट और दक्ष सेवा प्रदान करना बैंक के विपणन प्रयास का मुख्य लक्ष्य रहा है। प्रौद्योगिक स्तरोन्नयन और परिचालन कर्मचारियों को उत्प्रेरित किए जाने के फलस्वरूप बैंक ने ग्राहक सेवा में और सुधार किया है। शाखाओं में आयोजित किए जा रहे ग्राहक पखवाड़ों से ग्राहकों और परिचालन कर्मचारियों के बीच घनिष्ट अंतर - क्रिया विकसित हुई है। दक्ष सेवा प्रदान करने में बैंक का ऊँचा स्थान बरकरार है और उसे ग्राहकों के सभी वर्गों का संरक्षण और सम्मान प्राप्त है।

उधार विस्तार

गत कुछ वर्षों के दौरान उधार जमा अनुपात के निरंतर निम्न रहने के कारण बैंक द्वारा उधार के मोर्चे पर आक्रामक विपणन की नीति का अनुसरण किया गया, जिसके अच्छे परिणाम निकले हैं। वर्ष के दौरान उधार में 29.41% का अभूतपूर्व विस्तार हुआ। वर्ष के दौरान वर्तमान सार्वभौमिक कुल उधार में रु. 2277

www.reportjunction.com

करोड़ की वृद्धि हुई और वह रु.10020 करोड़ हो गया जिससे उधार जमा अनुपात पिछले वर्ष के 46.05% की तुलना में बढ़कर 50.32% (सकल) हो गया। बैंक का उधार संविभाग बहुआयामी है जिसके अंतर्गत कृषि, उद्योग, अंतः संरचना, व्यापार, सेवा और घर-गृहस्थी के क्षेत्र जैसे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र आते हैं।

उपभोक्ता वित्त

बैंक ने नए उत्पादों को विकसित करके और उनका विपणन करके वेतनभोगी वर्ग, मध्यम आय समूह अदि की वैयक्तिक उधार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। आकर्षक ब्याज दरों और चुकौती की आसान शर्तों को प्रस्तावित करके मौजूदा उत्पादों को भी उधारकर्ता हितैषी बनाया गया है।

निर्यात वित्त

देश के निर्यात मोर्चे पर आम मंदी के बावजूद बैंक ने इस क्षेत्र को रु .132.00 करोड़ देकर अपनी उधार राशियां रु. 540 करोड़ के स्तर तक पहुँचा दी है और इस प्रकार 32% से ऊपर विकास दर हासिल की है।

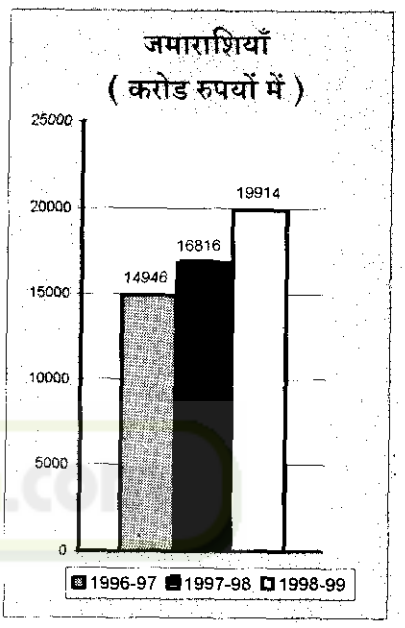

उधार का अनुश्रवण और उसकी पुनरीक्षा

उच्चतर उधार मंजूर करने की शक्तियों के प्रत्यायोजन के आलोक में प्रत्यायुक्तों द्वारा शक्तियों के प्रयोग पर गहरी दृष्टि रखते हुए अनुश्रवण तंत्र को विकसित किया गया है। विभिन्न अधिकारियों द्वारा दी गई मंजूरी की पुनरीक्षा अगले उच्चतर प्राधिकारी द्वारा की जा रही है।

इसके अतिरिक्त, मानक आस्तियों के प्रति ब्याज और किस्तों की वसूली के संबंध में नियंत्रक कार्यालयों से तिमाही प्रमाणन प्राप्त करने की प्रणाली को लागू किए जाने से उक्त प्रणाली आस्ति गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय के रूप में काम आई है।

रुपया निवेश संविभाग

बैंक का निवेश मार्च 1998 की स्थिति के अनुसार रु.7581 करोड़ से बढ़कर मार्च 1999 की स्थिति के अनुसार रु. 7781 करोड़ हो गया जिसमें 2.7% की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। जमा अनुपात की तुलना में निवेश को पिछले वर्ष के 51% के स्थान पर 44% तक रोक रखा गया ताकि उधार विस्तार में बढ़ोत्तरी हो सके। निधियों के नियोजन के मामले में, निवेश पर उधार संविभाग को प्राथमिकता दी गई। सांविधिक चलनिधि अनुपात वाली अत्यधिक प्रतिभूतियों में काफी कमी की गई।

बाज़ार को निवेश चिह्नित किए जाने के मामले में बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के 70% के प्रावधान के स्थान पर चालू श्रेणी के रूप में 80.46% चिह्नित करने की अधिक व्यावहारिक नीति अपनाई।

वर्ष के दौरान कम लाभप्रद तिजोरी बिलों की अपेक्षा दिनांकित प्रतिभूतियों में निवेश करने के लिए निवेश संविभाग में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। बैंक ने वाणिज्यिक प्रपत्र बाजार में भी भारी हाथ मारा। निवेश संविभाग का सक्रिय दोहन किया गया और व्यापारिक पण्यावर्त रु. 21.80 करोड़ के लाभ सहित रु.5330 करोड़ को पार कर गया।

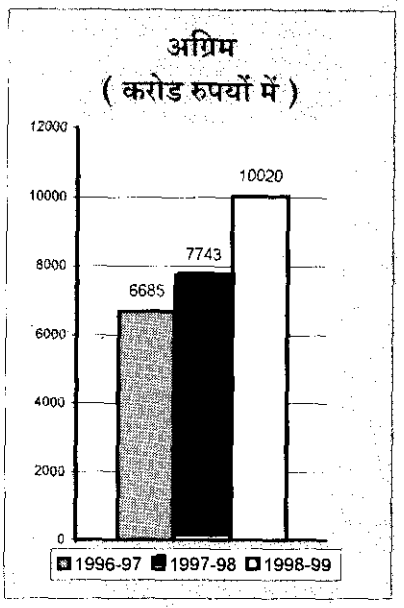

आस्ति देयता प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन

बैंक की यह मान्यता है कि जोखिम प्रबंधन बैंकिंग व्यवसाय का मूल है। जोखिम प्रबंधन के प्रति बैंक का दृष्टिकोण व्यावहारिक है। जोखिम प्रबंधन का प्राथमिक लक्ष्य व्यवसाय में निहित जोखिमों से बचना या उन्हें कम करना नहीं अपितु सतर्कता और कर्मठता से उनका सामना करना है। बुनियादी लक्ष्य जोखिम और

www.reportjunction.com

प्रतिफल के बीच संतुलन कायम करना है। जोखिम प्रबंधन जोखिम सीमाओं का विश्लेषण करने के अतिरिक्त उनका निर्धारण और अनुश्रवण करने के लिए भी उत्तरदायी है। बैंक ने वृहत जोखिम नीति संहिताबद्ध की है जिसे बोर्ड अंगीकार करता है। जोखिम नीति में अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित बातें आती हैं :

1. उधार जोखिम
2. बाजार जोखिम
3. परिचालन जोखिम

उधार जोखिम

i) प्रति- पक्षकार जोखिम

प्रति पक्षकार जोखिम, अन्य बातों के साथ साथ प्रतिपक्षकारों, उद्योगों और भौगोलिक क्षेत्रों की शर्तों के अनुसार जोखिम संकेंद्रण से बचना चाहता है। विभिन्न स्तरों के कृत्यकारियों के उधार मूल्यांकन कौशल को विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए निरंतर उन्नतशील बनाया जाता है। उधार जोखिम का प्रबंधन सुपरिभाषित जिम्मेवारियों और प्रक्रियाओं पर आधारित होता है। विशेषित शाखाएं प्रमुख निगमित लेखों को संभालती हैं जिनके लिए विशेष कौशल आवश्यक है। कतिपय क्षेत्रों/ व्यवसायों में उधार मूल्यांकन का मानकीकरण करने के लिए साख मापन प्रणाली लागू की गई है।

ii) देशी जोखिम

बैंक ने सुदृढ देशी जोखिम प्रबंध प्रणाली विकसित की है, जो दक्षिण पूर्व एशिया, रूस और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों के हाल के संकट के दौरान खरी साबित हुई थी। बैंक को देशी जोखिम के फलस्वरूप कोई मुद्रा हानि नहीं हुई है। बैंक ने देशी जोखिम के मूल्यांकन, मापन और नियंत्रण के लिए देशी जोखिम मॉडल को अपनाया है।

बाजार जोखिम

घरेलू ब्याज दरों में क्रमिक निर्विनियमन किया गया है जिससे वाणिज्यिक कारबार और व्यापारिक गतिविधि दोनों ही में बाजार जोखिम बढ गया है। बैंक ने बाजार जोखिम से निपटने के लिए औपचारिक रूप से आस्ति देयता प्रबंधन (ए एल एम) लागू किया है। ए एल सी ओ का गठन किया गया है जिससे कि अन्य बातों के साथ साथ तुलनपत्र प्रबंधन, आस्तियों और देयताओं दोनों ही उत्पादों का मूल्य निर्धारण किया जा सके और अंतरण तंत्र भी विकसित किया जा सके। बैंक ने तरलता नीति निर्धारित की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बाध्यताएँ, जब जब उत्पन्न हों, पूरी की जाएँ बैंक ने अपने पर्यालोचनों को समृद्ध करने के लिए ए एल सी ओ संबंधी बाहरी विशेषज्ञ नियुक्त किए हैं।

परिचालन जोखिम

परिचालन जोखिम, परिचालन व्यवस्था की प्रक्रियाओं और गतिविधियों के कार्यकरण से उत्पन्न होने वाली आर्थिक हानि का संभाव्य जोखिम है। बैंक इन परिचालनगत जोखिमों को कम करने के लिए अपनी कार्यविधियों और पद्धतियों को बराबर अद्यतन करता रहता है, कर्मचारियों को प्रशिक्षित करता है और परिचालन के सभी नाजुक क्षेत्रों की समवर्ती लेखा परीक्षा कराता है।

कोष और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग

बैंक ने भारतीय विदेशी विनिमय और मुद्रा बाजार में अपनी स्थिति दृढ कर ली है। विदेशी विनिमय और मुद्रा बाजार की गतिविधियों के एकीकरण के जरिए लाभार्जक केन्द्र के रूप में राजकोष और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग की स्थिति और भी दृढ हुई है। प्रभाग ने जोखिम प्रबंधन नीतियों और व्यवहारों को सुस्पष्ट कर लिया है। बैंक फेडाई (भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ) द्वारा विकसित मॉडल का प्रयोग करते हुए मूल्य जोखिम के जरिए दैनिक आधार पर विदेशी विनिमय जोखिम की खोज खबर रखता है।

बैंक यूरो मुद्रा लागू किए जाने से उत्पन्न परिचालनगत समस्याओं को बखूबी संभाल सका था। इंटरनेट पर बैंक का होमपेज, मध्य-पूर्व, संयुक्त राज्य और यूरोप में अनिवासी भारतीयों का ध्यान आकर्षित करने में लगा हुआ है और वित्तीय और गैर - वित्तीय दोनों ही प्रकार की गतिविधियों के लिए संदर्भ- बिन्दु का कार्य करता है। बैंक खाडी युद्ध से संबंधित दावों के संवितरण में सक्रिय भूमिका निभाता है। बैंक की दो एक्स्चेंज कंपनियाँ नैशनल एक्स्चेंज कंपनी दोहा, कतार और मुसैन्डम एक्स्चेंज कंपनी सल्तनत-ए-ओमान भली भांति कार्य करती रहीं। ये दोनों कंपनियाँ प्रति वर्ष रु. 500 करोड़ से ज्यादा मुद्रा प्रेषण का व्यवसाय करती रहीं हैं।

www.reportjunction.com